



ग्रहसंकेत

ज्योतिष कार्यालय

(कृष्णमूर्ती सिद्धांतोंपर आधारित)

फोन का समय : सिर्फ शाम 5 से रात्री 10 तक
फोन के दिये गये समयपरही संपर्क करना अनिवार्य है।



भूषण सांभ शिखरे (पवईकर)

भ्रमणध्वनी (केवल संपर्क करें) : 09422268596

केवल : 09359823446

निनाद भूषण शिखरे (पवईकर)

भ्रमण दूरध्वनी / : 08149471194

417, ग्रहसंकेत, सत्यनारायण मंदिर के पास, मेनरोड,
श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर, जि. नासिक दूरध्वनी : (02594) 233014.

त्रिदिवसीय पितृदोष

(नाराणबली - नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध)

विधीके 2027 साल के मुहूरत

जनवरी 2027	= 1, 5, 10, 16, 19, 23, 28
फरवरी 2027	= 6, 12, 15, 19, 22, 25, 28
मार्च 2027	= 5, 12, 15, 18, 21, 25, 28
अप्रैल 2027	= 1, 8, 11, 14, 17, 20, 24, 29
मई 2027	= 5, 8, 12, 15, 19, 23, 26
जून 2027	= 2, 5, 8, 11, 15, 18, 22, 29
जुलाई 2027	= 2, 5, 8, 12, 16, 20, 26, 29
अगस्त 2027	= 6, 10, 13, 16, 21, 26
सितंबर 2027	= 19, 22, 25, 28
अक्टूबर 2027	= 10, 16, 19, 23
नवंबर 2027	= 2, 6, 12, 15, 19, 22, 26, 30
दिसंबर 2027	= 3, 10, 13, 16, 19, 23, 26, 30



www.kalsarpyog.com
https://grahsanket.shikharebs.com
E-mail : bhushanshikhare@gmail.com

विशेष निवेदन

श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वरमें होनेवाले सभी धार्मिक पुजाविधीकी अगर आपको बराबरी करनी ही है तो पुजाकी दक्षिणा से ना करे। बल्की पुजाविधी की गुणवत्तासे जरूर करे, क्यो सभी गुरुजी दक्षिणा लेते है, मगर गुणवत्ता सभी देते क्या, यही बात आपकी सही सोच और सुज्ञताके उपर यथायोग्य निर्णय लेना, यह सदासर्वदा आपके सकारात्मकपर ही निर्भर हैं।

कालसर्प शांती और जनन शांती

विधीके 2027 साल के मुहूरत

जनवरी 2027	= 3, 7, 9, 12, 14, 21, 26, 30
फरवरी 2027	= 5, 9, 11, 14, 17, 21, 24, 27
मार्च 2027	= 2, 7, 10, 14, 17, 23, 27, 30
अप्रैल 2027	= 3, 5, 10, 13, 16, 22, 26, 28
मई 2027	= 2, 4, 7, 10, 14, 17, 21, 25, 28, 30
जून 2027	= 4, 7, 10, 13, 17, 20, 25, 28
जुलाई 2027	= 1, 4, 10, 14, 19, 23, 25, 31
अगस्त 2027	= 6 (नागपंचमी), 9, 12, 15, 19, 21, 25, 28
सितंबर 2027	= कुंभमेला शाहीस्नान, गणपती तथा पितृपक्ष होने के कारण मुहूरत नहीं है।
अक्टूबर 2027	= 12, 14, 18, 21, 26
नवंबर 2027	= 4, 9, 14, 17, 21, 24, 28
दिसंबर 2027	= 6, 8, 12, 15, 21, 25, 29

अपने खुदके घरके सभी तरीके के परेशानी देखकर आपको जो सही मुहूरत लगे उसमें से एक मुहूरत फिक्स करके हमें दस दिन पहले फोन करके बताना अनिवार्य है। उस मुहूरत एक दिनपूर्व शाम पाच बजेतक त्र्यंबकेश्वरमें आना जरूरी है। बाकीकी अधिक जानकारी फोनपर पुछ लें।

आगामी कुंभमेलाके 2026-27-28 सालके पर्वकालके मुख्य मुहूरत -

सिंहस्थ आरंभ : दि. 31/10/2026

प्रथम शाहीस्नान : दि. 02/08/2027

द्वितीय शाहीस्नान : दि. 31/08/2027

तृतीय शाहीस्नान : दि. 12/09/2027

सिंहस्थ महापर्व समाप्ती : दि. 24/07/2028

आनेवाला सिंहस्थ कुंभमेला महाराष्ट्रमें केवल श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वरमेंही मूल परंपरागत जगहपर होनेवाला है।

त्रिपिंडी श्राद्ध यह ऐसा कभीभी कर सकते हैं। अगर नियमोंसे देखे तो दोनों पक्ष के (शुक्ल या कृष्ण) चतुर्थी, अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी इन तिथियोंको अनन्य महत्व प्राप्त है।

जरूरी विशेष सुचनाएँ -

- 1) 18/08/2027 से 10/09/2027 इस दौरान गुरु का अस्तमान है।
- 2) 23/07/2027 से 03/09/2027 इस दौरान शुक्र का अस्तमान है।
- 3) आप जो भी विधी कर रहे उसपर आपका पुरी श्रद्धा होनी जरूरी है। क्योंकि यह श्रद्धा काही फल है। अगर श्रद्धा न हो तो किसी भी विधी करने का मतलब ही नहीं है।
- 4) ज्यादा बेफिजुल, बेतुकी ज्यादा पुछताछ किए बिना गुरुजी से सिधा सवाल करे। बेफिजुल, बेतुकी सवाल करके स्वयं कृपया अपना अपमान न करवाए।
- 5) जिस-जिस की कुंडली में दोष होगा उस हर व्यक्तीको अलग-अलग पुजा-विधी करवाना होगा और यही सही नियम भी है। (अर्थात पिता-पुत्र को अन्यथा सगे भाई हो तो भी पुजा-विधी अलग-अलगही होगी।)
- 6) समय-समय पर आपको गुरुजी द्वारा बताये गए नियमोंको (सुचना) आप सभी लोग सही तरीकोंसे पालन करें।
- 7) नारायणबली - नागबली, त्रिपिंडी श्राद्ध, कालसर्प शांती यह तीनोंभी विधी पुरे के पुरे अलग ही है। इन तीनों विधीका एक-दुसरे के साथ किसीभी प्रकार का संबंध नहीं है, यह बात पहलेही जानकर उपरांतही पुजा-विधी करवाए।
- 8) कौनसी भी विधी करने से पहले स्त्रियोंकी माहवारी की अडचने न आये यह देखकरही मुहूरत नक्की करें।
- 9) बरसात के वक्त में छाता और रेनकोट और जाडो (थंडे) के मौसम में शॉल तथा स्वेटर लाना अनिवार्यही है। बिमार लोगोंने डॉक्टरकी सलाह से ही पुजा में बैठे और साथ में अपनी दवाईयाँ भी साथ में रखना भी जरूरी है। अगर हो सके तो अपनी बिमारी के गुरुजी को पूवसुचना देना भी जरूरी है।
- 10) गुरु और शुक्र के अस्तमान के दौरान संतान प्राप्ती हेतु लोग नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा-विधी ना ही करे, यह बात जरूर ध्यान रखे। संतान प्राप्ती हेतु लोग दोनों नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा-विधी करें।
- 11) गणपती में 7 (सात) दिन, नवरात्री में 10 (दस) दिन, दिवाली में 5 (पाच) दिन हम किसीभी प्रकार के धार्मिक विधी करते नहीं।
- 12) अपने स्वयंम् के घर में बेटे-बेटी की, भाई-बहने शादी होने के उपरांत एक साल तक नारायणबली-नागबली नहीं कर सकते।
- 13) अपने स्वयंम् के घर में माता-पिता, भाई-भाभी, चाचा-चाची इनकी मृत्यु होनेके उपरांत भी आप एक साल तक नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा-विधी नहीं कर सकते।
- 14) नारायणबली -नागबली यह विधी ढाई घंटे का तीन दिन का पुजा-विधी है और त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांती यह एक दिन का पुजा-विधी है।

(विशेष रूपसे श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में पधारनेवाले श्रद्धालु भाविकोंको जरूरी अत्यावश्यक सुचना)

- 1) नागपंचमी में कालसर्पयोग शांती का और पितृपक्ष में नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा-विधी बहुतही अहम महत्व मानना १००% गलत और पूर्णतः मुख्यता है। इस में कोई भी शास्त्राधार भी नहीं होने के कारण इन जैसे अफवों पर आप कृपया भरोसा बिलकुल ना करे।
- 2) दक्षिण भारत में सिर्फ श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर मूलगोदावरी के अलावा किसी स्थान में सिंहस्थ कुंभमेला होता ही नहीं यह बात हर श्रद्धालु भाविक ध्यान रखे। अगला सिंहस्थ कुंभमेला 14/07/2027 से 11/08/2028 इस तारीखों के बीच में ही श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में ही होने वाला है मगर एक बात जरूर ध्यान रखे की कुंभमेला नासिकमें बिलकुल भी नहीं होता।
- 3) श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में आज ऐसे भी अनाधिकृत बोगस पुरोहित (ब्राम्हण) हैं यह हम यहाँ के सभी विधी करवाते हैं ऐसा झूठ बोलकर पैसे ऐठ लेते हैं। हर श्रद्धालु भाविक अच्छी तरह ध्यान रखे की, आप जिन के पास पुजा-विधी करवा रहे हैं उनके पास अधिकृत (रजिस्टर) अधिकारपत्र और अधिकृत लोगो है या नहीं यह जाँच - परख करके ही भरोसा करे।